भारत में मसाला क्षेत्र

प्रिलिम्स के लिये:

प्रमुख मसाला उत्पादक राज्य, मसाला क्षेत्र हेतु प्रमुख आँकड़े

मेन्स के लिये:

भारत में मसाला उत्पादन, मसाला क्षेत्र हेतु की गई पहल

चर्चा में क्यों?

हाल ही में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री ने 'स्पाइस स्टैटिस्टिक्स एट ए ग्लांस 2021' पुस्तक का विमोचन किया है।

- यह पुस्तक देश में वर्ष 2014-15 से वर्ष 2020-21 तक के पिछले सात वर्षों के दौरान मसालों के उत्पादन में हुई वृद्धि पर प्रकाश डालती है।

प्रमुख बिंदु

- **मसालों के विषय में:**
  - मसाले बीज, फल, छाल, राइज़ोम और पौधों के अन्य भागों से प्राप्त सुगंधित खाद्य उत्पाद प्राप्त होते हैं।
  - उनका उपयोग भोजन के संरक्षण और दवाओं, रंगों एवं इत्र के रूप में किया जाता है।
  - मसालों को हज़ारों वर्षों से व्यापार की वस्तुओं के रूप में अत्यधिक महत्त्व दिया गया है।
    - **मसाला शब्द लैटिन से आया है, जिसका अर्थ है 'माल'।**
  - विशेष रूप से महामारी की अवधि के दौरान मसालों को स्वास्थ्य पूरक के रूप में मान्यता देने के कारण मसालों की मांग में ज़बरदस्त वृद्धि हुई है।
    - इसे हल्दी, अदरक, जीरा, मिर्च आदि जैसे मसालों के बढ़ते निर्यात से स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।
- **भारत में मसाला उत्पादन:**
  - भारत मसालों का विश्व में सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक देश है।
  - बदलती जलवायु के कारण उष्णकटिबंधीय से उपोष्णकटिबंधीय, उपोष्णकटिबंधीय से समशीतोष्ण तक लगभग सभी जलवायु के मसालों का भारत में उत्पादन किया जाता है।
  - वास्तव में भारत के लगभग सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में किसी-न-किसी मसाले का उत्पादन किया जाता है।
  - संसदीय अधिनियम के तहत कुल 52 मसालों को मसाला बोर्ड के दायरे में लाया गया है।
    - मसाला बोर्ड (वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय) भारतीय मसालों के विकास और विश्वव्यापी प्रचार हेतु प्रमुख संगठन है।
    - यह मसाला बोर्ड अधिनियम, 1986 द्वारा स्थापित किया गया था।
  - भारत में कुछ राज्य ऐसे हैं जो उन मसालों का उत्पादन करते हैं जिनका राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों बाज़ारों में बहुत अधिक मूल्य है।
    - सबसे अच्छा उदाहरण '**कश्मीरी केसर**' है जो दुनिया का सबसे अच्छा केसर है।
    - कश्मीरी केसर को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग का दर्जा मिला है।
- **मसाला व्यापार:**
  - मसालों का निर्यात देश में सभी बागवानी फसलों के कुल निर्यात आय में 41% का योगदान देता है।
  - यह समुद्री उत्पादों, गैर-बासमती चावल और बासमती चावल के बाद कृषि वस्तुओं में चौथे स्थान पर है।

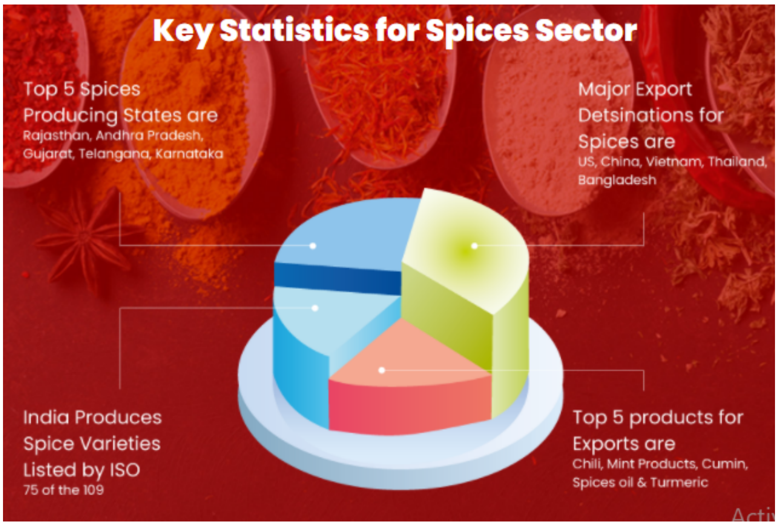

संबंधति सरकारी पहल:

- हाल ही में [भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI)] ने [कोडेक्स एलिमेंटेरियस कमीशन (CAC)] के तहत स्थापति **मसालों और पाक जड़ी बूटियों (CCSCH) पर कोडेक्स समति के पाँचवें सत्र का उद्घाटन** कयिा।
- **मसालों और पाक जड़ी बूटियों पर कोडेक्स समति (CCSCH)** के बारे में:
  - **स्थापना:** इसका गठन वर्ष **2013 में कयिा गया** था।
  - **संदर्भ शर्तें:**
    - मसालों और पाक कला से संबंधति जड़ी बूटियों हेतु उनकी सूखी और नरि्जलति अवस्था संबंधी वशि्वव्यापी मानकों को वसि्तृत करना।
    - मानकों के वकिास की प्रक्रयाि में दोहराव से बचने के लयि अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ परामर्श करना आवश्यक है।

स्रोत: पीआईबी

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/spices-sector-in-india